

**C778**

Total Pages : 3

Roll No. ....

**MAHL-104**

साहित्यशास्त्र और हिन्दी समालोचना

M.A. Hindi

First Year Examination, 2022 (June)

**Time : 2 Hours]**

**Max. Marks : 80**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों के तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

**( खण्ड-क )**

**( दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न )**

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

**(2×20=40)**

1. भारतीय काव्यशास्त्र के संप्रदायों का परिचय देते हुए रीति संप्रदाय का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत कीजिए।
2. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र की परंपरा और नवजागरण पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।
3. मार्क्सवाद का हिन्दी साहित्य एवं आलोचना पर प्रभाव स्पष्ट करते हुए हिन्दी के प्रमुख मार्क्सवादी आलोचकों एवं उनके सिद्धांतों का परिचय दीजिए।
4. प्लेटो और अरस्तू के सिद्धांतों का तुलनात्मक विवेचन करते हुए एक निबंध लिखिए।
5. आई.ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धांतों का परिचय देते हुए उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

( खण्ड-ख )

( लघु उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. काव्य हेतु का परिचय देते हुए काव्य रचना में इनके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

2. मैथ्यू आर्नल्ड के कथन 'कविता जीवन की आलोचना है' पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।
3. हिन्दी आलोचना में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
4. शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना के प्रमुख आलोचकों एवं उनके आलोचना सिद्धांतों का विवेचन कीजिए।
5. समकालीन हिन्दी आलोचना के केन्द्रीय बिंदु पर प्रकाश डालिए।
6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :
  - (क) काव्य लक्षण।
  - (ख) अभिव्यंजनावाद।
  - (ग) निव्यैक्तिकता का सिद्धांत।
  - (घ) प्रगतिशील आलोचना।
7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :
  - (क) उत्तर आधुनिकतावाद।
  - (ख) संरचनावाद।
  - (ग) नई समीक्षा।
  - (घ) शैलीविज्ञान।
8. स्वच्छंदतावाद की विचारधारा को स्पष्ट करते हुए हिन्दी साहित्य पर इसके प्रभाव का विवेचन कीजिए।

